

[Shri A. P. Sharma]

because the weather was bad. But how does the Minister say that the weather was not bad?

Shri C. M. Poonacha : This was because of the delay in reaching the place. The rescue party could reach the place only in the late hours of the evening. At 1330 hrs. the helicopter could land alongside and locate them; the wreckage was there and three bodies were immediately located; one body was under the debris.

श्री श्रीकार लाल बेरवा (कोटा) :
मैं यह जानना चाहूंगा कि जो मरे हैं उनको तत्कालीन सहायता क्या दी गई है सरकार की तरफ से ?

Shri C. M. Poonacha : For the families of the Pilots and the Flt. Engineer, the compensation and other things as laid down under the rules will be immediately arranged to be paid as soon as the formalities under the prescribed rules are complied with.

श्री श्रीकार लाल बेरवा : मैं तत्कालीन सहायता के लिये पूछ रहा हूँ। जो दी जायगी उसकी बात नहीं कर रहा हूँ। तत्कालीन क्या सहायता दी गई, इसका जवाब नहीं आया।

अध्यक्ष महोदय : मैं इससे ज्यादा और क्या कर सकता हूँ।

13.49 hrs.

CORRECTION OF ANSWER TO S. Q. NO. 361 RE. VIGYAN MANDIRS

The Deputy Minister in the Ministry of Education (Shrimati Soundaram Ramachandran : I rise to correct a small error that crept into my reply to the supplementary question put by Shrimati Savitri Nigam arising out of Starred Question No. 361 answered on 10th August, 1966.

A statement correcting the Answer is laid on the Table of the House. [Placed in Library, See No. LT-7025/66].

I had stated then that "Then, this was given to certain private institutioⁿs

also working in the rural areas having the rural training centres, etc." The correct position, however, is that it was considered to give Vijnan Mandirs to selected Rural Institutes—but this is still under consideration.

I regret that this correction could not be made earlier.

13.50 hrs.

RE: STATEMENT BY MEMBER UNDER DIRECTION 115 AND STATEMENT CORRECTION OF ANSWER TO S. Q. NO. 634 Re: DAS COMMISSION REPORT

अध्यक्ष महोदय : डा० राम मनोहर लोहिया।

डा० राम मनोहर लोहिया : (फर्रुखाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मुझे कोई बयान नहीं करना है। लेकिन शुक्रवार या शनिवार को करीब 12 लाख रुपये के चोरी के सोने की बात उठाई थी, लेकिन वह बात दबा दी गई। मुझे इजाजत दे, क्योंकि वह बहुत महत्व बात है।

अध्यक्ष महोदय : जो आर्डर-पपर में है, मैं आपको उसी की इजाजत दूंगा।

डा० राम मनोहर लोहिया : मैं ने उसकी रजामन्दी नहीं दी थी, मैंने वह नहीं करना है। लेकिन

अध्यक्ष महोदय : और मामले के लिये आप मुझे लिखिये।

डा० राम मनोहर लोहिया : जहाँ तक लिखने का प्रश्न है, अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कितने मामले इस तरह से चलते रहते हैं।

अध्यक्ष महोदय : लेकिन इस तरह से मैं आपको इजाजत नहीं दूंगा।

डा० राम मनोहर लोहिया : एक बात मैं पूछूँ, जो भाषण दिये जाते हैं, उनके लिये धारण करने कहा है कि जो मंत्री उसके